मैं वृन्धावन कैसे जाउंगी

श्याम मेरी दे दे चुनरियाँ मैं वृन्धावन कैसे जाउंगी,
वृन्धावन कैसे जाउंगी मैं गोकुल कैसे आउंगी,
कर न मुझसे ठिठोलियाँ मैं वृन्धावन कैसे जाउंगी

हरी कांच की चूड़ियाँ मोरी कान्हा पकड़ बहियाँ मोरी,
यु न सताओ नन्द लाला मैं वृन्धावन कैसे जाउंगी

खोई रहू कान्हा प्रेम की धुन में कोई दवा इस रोग की देदे,
कदम की बैठू न चहियाँ,मैं वृन्धावन कैसे जाउंगी

मन मंदिर में मूरत तेरी किस किस को समजाऊगी,
कुछ पल ठहर तो कान्हा मैं वृन्धावन कैसे जाउंगी

Source: https://www.bharattemples.com/main-vrindhavan-kaise-jaaungi/

Bharat Temples

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw